त्रिपुरा माताबारी पेरा और पचरा को प्राप्त हुआ GI टैग

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य की दो पारंपरिक वस्तुओं, **माताबारी पेरा और पचरा** को [भौगोलिक संकेत (GI) टैग] से सम्मानित किया गया है, जो स्थानीय कारीगरों और बुनकरों के लिये एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- त्रिपुरासुंदरी मंदिर में प्रसाद के रूप में काम आने वाली **डेयरी आधारित मिष्ठान्न दुकान माताबारी पेरा** और स्वदेशी समुदायों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला **हाथ से बुना कपड़ा पचरा को प्रतिष्ठित GI टैग** प्रदान किया गया है।
    - GI टैग **अनधिकृत नकल अथवा उत्पाद के दुरुपयोग के विरुद्ध कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित** करता है और साथ ही इसकी प्रामाणिकता की रक्षा भी करता है तथा इससे जुड़ी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है।
    - यह मान्यता इसके उत्पादन में शामिल स्थानीय समुदायों के लिये आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देते हुए, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाज़ार पहुँच एवं प्रचार की सुविधा भी प्रदान करती है।
- **त्रिपुरा की प्रतिष्ठित रानी अनानास** को पहले पूर्वोत्तर के 13 अन्य उत्पादों के साथ GI टैग से सम्मानित किया गया था, जो क्षेत्र की विविध तथा अनूठी पेशकशों को उजागर करता है।

और पढ़ें... [17 से अधिक उत्पादों के लिये GI टैग]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tripura-s-mkatabari-pera-and-pachra-receive-gi-tag